the market rates for hiring photographers and processing of a large number of prints with speed and urgency, Photo Division is functioning at a cheaper rate. Besides, there are limitations of time and speed in processing large number of prints outside as also the inaccessability of private photographers to important official functions/events etc. Small and medium newspapers who cannot always afford independent photographers also find Photo Division a useful source of photographs for their newspapers. The cost factor alone cannot be a consideration for maintaining the establishment of Photo Division.

दूरदर्शन के विचाराधीन धारावाहिक

6090. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में ऐसे दूरदर्शन धारावाहिकों की संख्या कितनी है, जिनके प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं और जो निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं ;

(ख) उन धारावाहिकों की भाषा-वार संख्या कितनी-कितनी है ;

(ग) क्या इस संबंध में कोई जांच समिति गठित की गई है ; और

(घ) यदि हां, तो समिति के सदस्यों के नाम क्या क्या हैं तथा उनका जीवन-वत्त क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) और (ख) ऐसी सूचना संकलित रूप में केन्द्रीय तौर पर नहीं रखी जाती है ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

देश में समाचारपत्रों की प्रसार संख्या

6091. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में देश में दैनिक समाचारपत्रों की कुल प्रसार संख्या कितनी है ;

(ख) तत्संबंधी भाषा-वार आंकड़े क्या हैं और प्रत्येक दैनिक समाचारपत्र की भाषा-वार प्रसार संख्या कितनी-कितनी है ;

(ग) क्या सरकार इन दैनिक समाचारपत्रों में विज्ञापन देते समय इनकी प्रसार संख्या को भी ध्यान में रखती है;

(घ) क्या भारतीय भाषाओं के समाचारपत्रों को कोई विशेष छूट दी जाती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) और (ख) वर्तमान में देश में भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय (आर० एन० आई०) के पास सभी दैनिक समाचार पत्रों के कुल प्रसार आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वे केवल अपने पास पंजीकृत समाचार पत्रों और उन समाचार पत्रों को जो प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 की शर्तों के अनुसार भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक को अपना वार्षिक विवरण प्रस्तुत करते हैं, के संबंध में सूचना रखते हैं । वर्ष 1994 के लिए समाचार पत्रों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक विवरण संवीक्षाधीन हैं । भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्रसार आंकड़ों आदि का संकलन कार्य 30-9-95 तक पूरा कर लिया जायेगा जिस तारीख तक उनके द्वारा अपनी वार्षिक रिपोर्ट "प्रेस इन इंडिया" सरकार को प्रस्तुत की जानी अपेक्षित है ।

(ग) जी, हां ।